

२०.८०

उत्तर उद्योग सामग्री
विक्रिता अनुभाग-१
संख्या- ५८१७ १५-२-९९-६१७४१/९४
लखउः दिनांक: ०९ दिसम्बर, १९९९.

अधिसूचना

भारत सरकार द्वारा पारित प्रसव पूर्व निटान तकनीक। विनियमन और द्रव्ययोग निवारण। अधिनियम, १९९४ की धारा १७१२। एवं १७१५। के अन्तर्गत तथा उक्त अधिनियम के अधीन भारत सरकार द्वारा प्राप्ति एवं दिनांक जनवरी, १९९६ से प्रवृत्ति नियमों के क्रम में ३०३० सरकार द्वारा "सुधारित एवं प्रियोगी" एवं "सुधारित अथारिटी" एवं "सलाहकार समिति"। रडवाइसरी इन्डी। द्वारा गठन तथा उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यक्लायरों के संबंध में शा० सकोग अधिसूचना संख्या-जो. ४७/५-११-९६-६१७४१/९४, दिनांक ३० जनवरी, १९९६ एवं अधिसूचना संख्या-२८६५/५-११-९७-६१७४१/९४, दिनांक २४ सितम्बर, १९९७ द्वारा निर्गत हो गई थी।

२- इस संबंध में उक्त संदर्भित अधिसूचनाओं में को गयो व्यवहारों का अतिक्रमण करते हुए राष्ट्र द्वारा उद्देश्य के सम्बन्ध मुख्य विक्रिता पिंडारियों को अधिनियम के कार्यान्वयन में सक्षमता बनाये रखने के दृष्टिगत "समुचित द्रापिकारों"। एवं "प्रियोगी" एवं "सहायता" शब्दों का उपयोग किया जाता है। जिनका अर्थ यह है कि उन्हें प्रत्येक जनपद में "सलाहकार समिति"। रडवाइसरी, कमिटी, ग्रामिण द्वीपी, और समुचित प्रापिकारों, सलाहकार समिति के सदस्यों में से एक को अधिकारिता मिलती है। सलाहकार समिति का गठन निमानुसार किया जायेगा, जो एवं वर्त है:

- १। जनपद के मालिक अस्तित्वात् की प्रमुख प्रमुख अधिकारी - सदस्य —
विक्रिता अधिकारी।
- २। जिला अस्तित्वात् के द्वाल रोग किंविषः/पैथाला जिस्ट - सदस्य —
- ३। जनपद के निकटस्थ मेडिकल कालेज के ऐने टिस्ट/रेडियोला जिस्ट - सदस्य —
- ४। जिला शासकीय अधिवक्ता - सदस्य —
- ५। जिला सूचना एवं जनसमर्क अधिकारी - सदस्य —
- ६। जनपद ग्रामीन अस्तित्वात् कार्यक्रम अधिकारी कम से कम द्वारा मालिक संगठन से संबंधित है। इनका व्यवहार जिला अधिकारी के सन्तुति पर प्रयोगियद अथारिटी द्वारा किया जायेगा।

उपर्युक्तानुसार जामित "समुचित प्रापिकारियों" द्वारा "सलाहकार

समितियों का गठन सुनिश्चित शरांते हुए नमूने-प्रध्य पर ऐसे ही आहुति को जायेगो तथा जनपद को विभिन्न संस्थाओं द्वारा उन्होंने देखा जायेगा। क्लीनिक का बंजोकरण, निरत्तोकरण/निलम्बन, शिक्षावर्ती तथा निराकरण तथा तत्संबंधी सलाह अथवा निर्देश देने का कार्य किया जायेगा।

डॉ जी डी बाबू,
दृष्टि वाच

संख्या- 5817 11/5-9-99-61741/94 निर्देश

प्रतिलिपि निम्नलिखित को तूचना एवं प्रावधक कार्यालयी हेतु

ऐचित:-

- 111 सचिव, परिवार कल्याण, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, निर्माण। भवन, नई दिल्ली।
- 121 समस्त श्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश राजनन।
- 131 श्रमुख सचिव श्री राज्यपाल हो इस अनुरोध के माध्यमिति द्वारा वे क्षेत्र इस अधिसूचना में महामहिम श्री राज्यपाल को अवगत कराने का कारण करें।
- 141 समस्त विभागाध्यक्ष/श्रमुख कार्यालयाध्यक्ष।
- 151 निदेशक, सूचना एवं जनसम्बन्ध विभाग, उपरोक्त, लो इस अनुरोध सहित कि वे क्षेत्र इस अधिसूचना का व्यापक प्रयोग/उपयोग कराने का कारण करें।
- 161 महानिदेशक, विकास। एवं स्वास्थ्य/परिवार कल्याण/उत्तराखण्ड।
- 171 समस्त मण्डलीय अधिकारी निदेशक, विकास। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उपरोक्त।
- 181 समस्त मुख्य विकास। अधिकारी/मुख्य विकास अधीक्षक, उपरोक्त।
- 191 प्रधानाधार्य, समस्त मैडिकल कालेज, उत्तर प्रदेश।
- 201 मुख्य सचिव के निजी सचिव को मात्र मुख्य सचिव के सूचनार्थ।
- 211 विभाग के समस्त अधिकारी/अनुभाग।
- 221 गाड़ काइल।

आशा है,

डॉ जी डी बाबू
दृष्टि वाच
विशेष सचिव।